ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
कृषि अनुसंधान केन्द्र
स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
बीकानेर – 334006
Phone 0151 2250018, 0151 2250570
Email: arsagrometbikaner@gmail.com

Øekad ,Q@,xk@,xkeV-@26 fnukad **27.08..2026**
ftyk& chdkusj

मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह

अवधि 27 अगस्त 2026 से 31 अगस्त 2026 तक

गत सप्ताह के मौसम की समीक्षाः इस दौरान अधिकतम तापमान 39.4 से 40.9 °C एवं न्यूनतम तापमान 26.4 से 28.0°C के मध्य रहा। इस दौरान धीमी गति की हवायें चली एवं आपेक्षिक आर्द्रता 38 से 69% रही।	आगामी सप्ताह की मौसम भविष्यवाणीः भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली एवं राज्य मौसम केन्द्र, जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर बीकानेर जिले में आगामी 5 दिनों के दौरान (27.08.2026 से 31.08.2026) 27.08.2026 से 31.08.2026 तक आंशिक बादल छाए रहने, न्यूनतम तापमान 28.0-30.0°C और अधिकतम तापमान 40.0-42.0°C के मध्य रहने की संभावना है। इस दौरान दक्षिणी दक्षिणी पश्चिमी और दक्षिणी पश्चिमी दिशा से कम गति की हवायें उच्च सापेक्ष आर्द्रता के साथ चलने की संभावना है।

मौसम कारक	दिनांक				
	27.08.2026	28.08.2026	29.08.2026	30.08.2026	31.08.2026
वर्षा (एम.एम.)	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
आसमान में बादलो की स्थिति	आंशिक बादल	आंशिक बादल	आंशिक बादल	आंशिक बादल	आंशिक बादल
अधिकतम तापमान (° C)	**40**	**40**	**41**	**41**	**42**
न्यूनतम तापमान (° C)	**28**	**28**	**29**	**29**	**30**
वायु दिशा	दक्षिणी पश्चिमी	दक्षिणी पश्चिमी	दक्षिणी पश्चिमी	दक्षिणी दक्षिणी पश्चिमी	दक्षिणी दक्षिणी पश्चिमी
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	**73**	**74**	**75**	**75**	**77**
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	**39**	**36**	**40**	**40**	**37**
औसत वायु गति (कि./घण्टा)	**5**	**6**	**7**	**6**	**7**
वर्षा (एम.एम.)	**00.00**				

कृषकों के लिए कृषि सलाह (Agro Advisory): गत सप्ताह की मौसम समीक्षा एवं इस सप्तक के लिए मौसम पूर्वानुमान के आधार पर किसान भाइयों को निम्न सलाह दी जाती है ।

विशेष सलाह	• मेघगर्जन व आकाशीय बिजली चमकने के दौरान पेड़, खम्भों व पानी के स्रोतों से दूर रहें व सुरक्षित जगह पर शरण लेवें। • क्षारीय वाले खेतो मे मानसून की वर्षा शुरू होने से पहले गहरी जुताई करके जिप्सम या सड़ी हुई गोबर की खाद डालकर रखे ।

फसल	**अवस्था**	**विवरण**	**कृषि सलाह**
मूंगफली	फूल आना	सूक्ष्म और गौण पोषक तत्वों का प्रयोग	मूंगफली की फसल में जिप्सम, जिंक और फेरस सल्फेट के इस्तेमाल का सबसे सही समय हैं । सुइया बनने की अवस्था के दौरान फसल की नियमित रूप से सिंचाई करें।
बाजरा	वृद्धि	सिंचाई	जहाँ ज़रूरत हो, वहाँ नाइट्रोजन की बची हुई मात्रा के साथ फ़सल की सिंचाई करें।
कपास	फूल की कली/स्क्वेयर का बनना	सिंचाई/छिड़काव	कपास में रस चूसने वाले कीटों को नियंत्रित करने के लिए इमिडाक्लोप्रिड 0.3 मिली/लीटर या थियोमेथोक्सम 0.3 ग्राम/लीटर या एसिटामिप्रिड 0.4 मिली/लीटर या थियोक्लोप्रिड 1.0 मिली/लीटर या डाइफेन्थुरोन 2 ग्राम/लीटर पानी के साथ छिड़काव करें।
ग्वार, तिल एवं मोठ	फूल आना	रस चूसने वाले कीटों का नियंत्रण	रस चूसने वाले कीटों (थ्रिप्स) की रोकथाम के लिए इमिडाक्लोप्रिड 0.3 मिली/लीटर या थियोमेथोक्सम 0.3 ग्राम/लीटर या डाइमेथोएट 1.5 मिली/लीटर पानी का छिड़काव करें।
उद्यानिकी		सिंचाई	उद्यानिकी फल फसलों जैसे खजूर, किन्नों, संतरा व नीबू की समय पर सिंचाई करें।
चारागाह		चराई	बारी-बारी से चराना या आंशिक रूप से चराना प्रबंधन का एक बेहतर तरीका है।
पशुधन		स्वास्थ्य प्रबंधन	दुधारू पशुओं में स्तनदाह से बचाव के उपाय अपनाएं। पेट के कीड़ों की दवा की मौखिक खुराक दें। पशुओं को लू से बचाएं। पशुओं को अच्छी गुणवत्ता वाला पेयजल उपलब्ध करायें। तेज़ हवा की गति को देखते हुए अपने आप को और जानवरों को पुराने/क्षयग्रस्त आश्रयों और दीवारों से दूर रखें।

सह–आचार्य एवं तकनीकी अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

क्षेत्रीय अनुसन्धान निदेशक एवं
नोडल ऑफिसर – ग्रामीण कृषि मौसम सेवा